आईआईएमए के 61वें दीक्षांत समारोह में स्नातक हुए 629 छात्रों से सुश्री चंद्रिका टंडन ने कहा "कृत्रिम बुद्धिमत्ता की दुनिया में, एकीकृत बुद्धिमत्ता याने 'पूरी तरह' इंसान बनना।यही सच्चे नेतृत्व को परिभाषित करेगा"

~ सुश्री चंद्रिका टंडन, व्यवसाय अग्रणी, मानवतावादी, ग्रैमी-अवार्ड विजेता संगीतकार, और आईआईएमए की पीजीपी 1975 की पूर्वछात्रा इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद थीं और उन्होंने नवस्नातक छात्रों को अपने दायरे से बाहर निकलने, रणनीति के साथ पता करने, गहनता से सोचने, और इरादे और प्रतिबद्धता के साथ काम करने के लिए हौसला बढ़ाया।

~ आईआईएमए शासक मंडल के अध्यक्ष श्री पंकज पटेल और आईआईएमए के निदेशक प्रोफेसर भारत भास्कर ने भी 2026 के छात्रों को संबोधित किया।

~ पाँच छात्रों को उनकी शानदार अकादमिक उपलब्धियों के लिए स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया

28 मार्च, 2026: भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद (आईआईएमए) के 61वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में कुल 629 छात्रों को उनकी डिग्री दी गई।इस समारोह का आयोजन आज कैंपस के मशहूर लुइस कान प्लाजा में हुई।इस अवसर पर व्यवसायी अग्रणी, मानवतावादी, ग्रैमी-अवार्ड विजेता संगीतकार और आईआईएमए की पीजीपी 1975 की पूर्वछात्रा, सुश्री चंद्रिका टंडन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं थीं।

जैसे ही दीक्षांत समारोह की शोभा यात्रा समारोह स्थल पर पहुँची, माहौल उत्साह से भरा-भरा महसूस हो रहा था।इस शोभा यात्रा का नेतृत्व डीन (कार्यक्रम) प्रोफेसर दीप्तेश घोष और प्रबंधन में डॉक्टरल पाठ्यक्रम के अध्यक्ष प्रोफेसर संदीप चक्रवर्ती कर रहे थे।ये मुख्य अतिथि सुश्री चंद्रिका टंडन; आईआईएमए के शासक मंडल के अध्यक्ष श्री पंकज पटेल; आईआईएमए के निदेशक प्रोफेसर भारत भास्कर; और आईआईएमए शासक मंडल के सदस्यों को मंच तक ले गए।उनके बाद सभी पाठ्यक्रमों के अध्यक्ष, संकाय सदस्य और स्नातक हो रहे छात्र स्थल पर पधारे।

आईआईएमए के 61$^{वें}$ वार्षिक दीक्षांत समारोह में चार पाठ्यक्रमों के 629 भावि परिवर्तनकारी अग्रणियों की ज़िंदगी में एक महत्त्वपूर्ण पल आया, जब उन्हें आईआईएमए के शासक मंडल के अध्यक्ष, श्री पंकज पटेल से डिग्री हासिल हुई।इसमें प्रबंधन में डॉक्टरल पाठ्यक्रम (पीएच.डी.) के 20 स्कॉलर, दो-वर्षीय स्नातकोत्तर प्रबंधन पाठ्यक्रम (एमबीए-पीजीपी) के 408 छात्र, दो-वर्षीय स्नातकोत्तर खाद्य एवं कृषि-व्यवसाय प्रबंधन पाठ्यक्रम (एमबीए-एफ़एबीएम) के 45 छात्र, और एक-वर्षीय स्नातकोत्तर प्रबंधन कार्यकारी पाठ्यक्रम (एमबीए-पीजीपीएक्स) के 156 छात्र शामिल थे।डिग्री प्राप्त करने वालों का उनके परिवार वालों और संस्थान के पूर्वछात्रों ने हौसला बढ़ाया, जो समारोह में उपस्थित थे।

पांच छात्र, एमबीए-पीजीपी से विराज मोदी, अक्षित मित्तल और देवव्रत वागले; एमबीए-एफएबीएम से जागृति गोयल; और एमबीए-पीजीपीएक्स से हर्ष मोदी; को उनकी शानदार अकादमिक उपलब्धियों के लिए मुख्य अतिथि ने स्वर्ण पदक से सम्मानित किया।

स्नातक हो रहे छात्रों को स्वागत संबोधन करते हुए, आईआईएमए के शासक मंडल के अध्यक्ष, श्री पंकज पटेल ने कहा, "अब आप खुद से कहीं ज़्यादा बड़ी चीज़ का हिस्सा हैं।एक वैश्विक पूर्वछात्र समुदाय जिसने उद्योगों को आकार दिया है, संस्थान बनाए हैं, और दुनिया के हर कोने में जिंदगियाँ बदलकर रख दी हैं।यह कोई फुटनोट नहीं है।यह वह मानक है जिसे अब आप आगे ले जा रहे हैं।आईआईएमए की परंपरा छह दशकों में बनी है।आज, वह परंपरा कुछ हद तक आपके हाथों में है।इसकी रक्षा करें।इसका सम्मान करें।इस पर आगे बढ़ें"।

छात्रों से एंटरप्रेन्योरशिप की भावना विकसित करने की अपील करते हुए, श्री पटेल ने कहा, "चाहे आप अपना खुद का उद्यम शुरू करें या किसी जाने-माने संगठन में नेतृत्व करें, एंटरप्रेन्योरशिप की भावना जरूर रखें।साधन-संपन्न, उपाय कुशल बनें।समायोजन करने लायक बनें।रुकावटों को रुकावट समझना बंद करें।इतिहास में सबसे ज़्यादा बदलाव लाने वाले इनोवेशन बहुत ज़्यादा चीज़ों से पैदा नहीं हुए थे।वे मर्यादित साधनों से पैदा हुए थे।अपनी सोच सहित, सोच को चुनौती दें। नेतृत्व का सबसे अच्छा मतलब प्राधिकारों का इस्तेमाल करना नहीं है।यह ज़िम्मेदारी मानना है"।

अपने समारोह संबोधन में, आईआईएमए के निदेशक, प्रोफेसर भारत भास्कर ने पिछले वर्ष हुए खास संस्थानगत विकास और नई पहलों का अवलोकन साझा किया।उन्होंने उपस्थित सभाजनों को आईआईएमए दुबई कैंपस में बनाए जा रहे दो उत्कृष्टता केंद्रों के बारे में बताया, जो केस लेखन और स्टार्टअप इनक्यूबेशन पर ध्यान केंद्रित करेंगे; और इस हफ़्ते आईआईएमए में कृष्णमूर्ति टंडन कृत्रिम बुद्धिमत्ता स्कूल के उद्घाटन के बारे में बताया, जो एआई शोध और इसके रियल-वर्ल्ड एप्लीकेशन में नई संभावनाओं के दरवाज़े खोलेगा।

स्नातक हो रहे छात्रों को संबोधित करते हुए, प्रोफेसर भारत भास्कर ने उन्हें एक गतिशील, आपस में जुड़ी हुई और तेज़ी से बदलती दुनिया में जाने के लिए तैयार होने के लिए हिम्मत बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।उन्होंने कहा कि ऐसे हालात में, अलग-अलग उद्योगों में करियर अक्सर एक विषम रास्ते पर चलते हैं और अवसरों, विकल्पों और कभी-कभी अचानक आने वाली रुकावटों से बनते हैं।उन्होंने साफ़ और पक्के इरादे के साथ लगातार बदलाव के साथ ढलने की अहमियत पर ज़ोर दिया।

मूल्यों और विनम्रता में जमे रहने की अहमियत पर ज़ोर देते हुए, प्रोफेसर भास्कर ने आगे कहा, "जैसे-जैसे आप आगे बढ़ेंगे, मैं आपको एक ऐसा नज़रिया बनाने के लिए भी प्रेरित करूँगा जो वैश्विक हो लेकिन मूल्यों पर आधारित हो।दुनिया आपका मार्केटप्लेस हो सकती है, लेकिन आपका असर आपके अपने समुदायों से शुरू होता है।वैश्विक झुकाव को समझें लेकिन उन्हें स्थानीय असलियत के हिसाब से सोच-समझकर अपनाएं।सच्चा नेतृत्व वैश्विक ज्ञान को स्थानीय अंतर्दृष्टि से जोड़ने की कुशलता में है।आप जितना ज़्यादा सीखेंगे, आपको उतना ही ज़्यादा एहसास होगा कि अभी और कितना कुछ समझना बाकी है।जो अग्रणी सीखने के लिए तैयार रहते हैं, वे अक्सर सबसे ज़्यादा असर डालते हैं"।

दीक्षांत समारोह में भाषण देते हुए, व्यवसाय अग्रणी, मानवतावादी, ग्रैमी-अवार्ड विजेता संगीतकार, सुश्री चंद्रिका टंडन ने छात्रों को "इंटीग्रेटिव इंटेलिजेंस-एकीकृत बुद्धिमत्ता" के लिए चार मार्गदर्शक मंत्र अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया: इनसाइट, इंटेंशन, इनर स्टेलेंस, और इम्पैक्ट (अंतर्दृष्टि, इरादा, आंतरिक शांति और प्रभाव)।उन्होंने कहा, "आपको अपनी परिधी से

बाहर निकलने की ज़रूरत है, चाहे वह कुछ भी हो।रणनीतिक रूप से पता करें।गहनता से सोचें। एक ही रास्ते पर अटके न रहें, क्योंकि ब्रेकथ्रू लेन में नहीं होते।वे इंटरसेक्शन पर होते हैं।आपसे दूर दुनिया के बारे में लगातार जानें।अंतर्दृष्टि आपको परिप्रेक्ष्य देती है।लेकिन आपको एक आकस्मिक से एक इरादापूर्ण जीवन में जाने के लिए इरादे की ज़रूरत है।आपको स्पष्टता और प्रतिबद्धता के साथ सही निष्पादन करने के लिए इरादे की ज़रूरत है, चाहे लक्ष्य कितना भी चुनौतीपूर्ण क्यों न हो।कृत्रिम बुद्धिमत्ता की दुनिया में, एकीकृत बुद्धिमत्ता का मतलब है 'पूरी तरह से' इंसान बनना।यही सच्चे नेतृत्व को परिभाषित करेगा'।

अपने सफ़र के बारे में बात करते हुए, उन्होंने बताया कि कैसे ध्यान करने और अंदर की शांति पाने से उन्हें ज़्यादा शांति, सोच में साफ़ दृष्टि, सृजनात्मकता बढ़ी, और दया और आत्मविश्वास की गहरी भावना मिली।प्रभाव के महत्त्व के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा, "प्रभाव चौथा क्षेत्र है जहाँ आपका लक्ष्य कुछ हद तक दुनिया के अपने कोने को एक बेहतर जगह बनाना है'।

###

<u>आईआईएम अहमदाबाद के बारे में:</u>

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद (आईआईएमए) एक प्रमुख वैश्विक प्रबंध संस्थान है जो प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में अग्रणी भूमिका निभाता है। अपने अस्तित्व के छह दशकों से अधिक के समय में, संस्थान ने अपनी विशिष्ट शिक्षण पद्धति, उच्च गुणवत्ता वाले शोध, भावी नेताओं को तैयार करने, उद्योग, सरकार और सामाजिक उद्यमों को समर्थन देने और समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालने के माध्यम से शिक्षा, व्यवहार और नीति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए पहचान हासिल की है।

आईआईएमए की स्थापना 1961 में सरकार, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा जगत के एक अभिनव प्रयास के रूप में की गई थी। तब से, इसने अपने वैश्विक प्रभाव को मजबूत किया है और आज इसके 80 से अधिक शीर्ष अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ नेटवर्क है और दुबई में भी इसकी शाखा है। इसके जाने-माने फैकल्टी सदस्य और लगभग 46,000 पूर्व छात्र, जो जीवन के सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण पदों पर हैं, इसके वैश्विक पहचान में योगदान देते हैं। वर्षों से, आईआईएमए के शैक्षणिक रूप से उत्कृष्ट, बाजार-उन्मुख और सामाजिक रूप से प्रभावशाली पाठ्यक्रम दुनिया भर में एक उच्च प्रतिष्ठा और प्रशंसा अर्जित कर चुके हैं। यह इक्विस से अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त करने वाला पहला भारतीय संस्थान बन गया। संस्थान भारत सरकार के राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क - नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ़) के भारत रैंकिंग 2025 में भी पहले स्थान पर है। फाइनेंशियल टाइम्स (एफ़टी) एग्जीक्यूटिव एजुकेशन (मुक्त) रैंकिंग 2025 में संस्थान को दुनिया भर में 35वाँ स्थान मिला है। इसके प्रसिद्ध दो-वर्षीय प्रबंधन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (पीजीपी) को एफ़टी मास्टर्स इन मैनेजमेंट रैंकिंग 2025 में 34वाँ स्थान मिला है और एक-वर्षीय प्रबंधन में कार्यकारी स्नातकोत्तर पूर्णकालीन पाठ्यक्रम (एमबीए-पीजीपीएक्स) को एफ़टी ग्लोबल एमबीए रैंकिंग 2026 में 27वाँ स्थान मिला है।

आईआईएमए व्यवसायिक सलाह सेवाएँ और 200 से अधिक चयनित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम प्रदान करता है, जो विभिन्न प्रकार के लोगों के लिए हैं, जिनमें व्यवसायी अग्रणी, नीति निर्माता, उद्योग व्यवसायी, शिक्षाविद, सरकारी अधिकारी, सशस्त्र सेना बल कर्मी, कृषि व्यवसाय और अन्य विशिष्ट क्षेत्र के विशेषज्ञ तथा उद्यमी शामिल हैं। ये कार्यक्रम अनुकूलित, मिश्रित और मुक्त नामांकन प्रारूप में उपलब्ध हैं।

संस्थान के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया देखें: https://www.iima.ac.in/

<u>मीडिया संबंधी प्रश्नों के लिए कृपया संपर्क करें:</u>

सुश्री शिवांगी भट्ट | manager-comm@iima.ac.in
सुश्री सौम्या मिश्रा | pr@iima.ac.in | 9570664488

.....